रनवे विस्तार होते ही अमेरिका और यूरोप तक

सीधी उड़ान

अमौसी हवाई अड्डे से जल्द ही अमेरिका और यूरोप तक सीधी उड़ान मिलेंगी। करीब ढाई हजार करोड़ रुपये की लागत से टर्मिनल-3 शुरू हो चुका है और अब रनवे विस्तार पर तेजी से काम हो रहा है। लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2744 मीटर है, इस कारण यहां 777 ड्रीम लाइनर, बोइंग 747, एयर बस 330 , एयर बस 360 जैसे विमानों की लैंडिंग नहीं हो पा रही है। इन विमानों के लिए 3500 मीटर रनवे की जरूरत पड़ती है। अभी ए-3 श्रेणी के विदेशों से आने वाले विमानों को उतारा जा सकता है। एयरपोर्ट पर इन दिनों काम भी चल रहा है। इससे ए-3 विमानों को भी कई देशों से जोड़ने की तैयारी चल रही है।

टर्मिनल-3 की भव्यता इन दिनों चर्चा में है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच जोंटी रोड्स के बाद इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल में कमेंट्री कर रहे केविन पीटरसन ने इंटरनेट मीडिया पर टर्मिनल-3 की फोटो साझा करते हुए इसे अद्भुत बताया है। अब तक सालाना कुल 55 लाख यात्रियों की कैटेगरी में लखनऊ एयरपोर्ट शामिल था। पुराने टर्मिनल-1 और टर्मिनल-2 को मिलाकर सालाना कुल 43 लाख यात्री सफर कर सकते थे। मौजूदा टर्मिनल-3 से प्रतिवर्ष 80 लाख यात्री यात्रा करेंगे। दूसरे चरण का कार्य पूरा होते ही यहां से 1.3 करोड़ यात्री अपने गंतव्य को जा सकेंगे। यह टर्मिनल 13 हजार युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देगा। 1986 में जब आम इंसान विमान में सफर करना सपना समझता था, तब कॉरपोरेट घरानों और उच्च स्तरीय अधिकारियों के लिए लखनऊ में अमौसी हवाई अड्डे को बनाया गया। यात्रियों की सुविधा के लिए वर्ष 1996 में अमौसी हवाई अड्डे को अपग्रेड किया गया।

1996 अमौसी हवाई अड्डे को अपग्रेड किया गया

2012 में टर्मिनल-2 बनते ही अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा

वर्ष 2008 में अमौसी हवाई अड्डे का नाम चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट हो गया। वर्ष 2012 में टर्मिनल-2 बनते ही इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा मिला।

गोमतीनगर स्टेशन : अटल जी का सपना हुआ पूरा

शहर को आधुनिक रेलवे स्टेशन देने का तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का सपना आज जाकर पूरा हुआ। उन्होंने गोमतीनगर हाल्ट को स्टेशन में तब्दील करने की योजना का शिलान्यास किया था। तब यह एक प्लेटफार्म वाला हाल्ट था, जहां पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव तक नहीं हो पाता था। पहले चरण में तीन प्लेटफार्मों वाला स्टेशन बनाया गया। इसके बाद पुनर्विकास प्रोजेक्ट में स्टेशन को शामिल किया गया। अब यहां छह प्लेटफार्म है और एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं यहां पर मिल रही है। दिसंबर 2020 में भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी सुधीर सिंह को रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) का चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर बनाया गया।